तीव्र पुरुषार्थ - 12

➢➢ परमात्म साथ

➳ _ ➳ The Most Powerful Relation

➳ _ ➳ सर्व विघनो से मुक्त करने वाला (Obstacle Free)

→ विघन हर्ता

- विघनो को दूर करने वाला

→ विघन विनाशक

- विघनो का विनाश करने वाला

→ विघन जीत

- विघन आएगा... हम लड़ेंगे... और फिर जीतेंगे

→ विघन मुक्त

- लम्बा समय विघन जीत बनने पर विघनो से मुक्ति हो जायेगी... विघन Proof बन जायेंगे

→ विघन विमोचक

→ विघनो का शमन करना

- विघनो की तीव्रता (Intensity) को कम करना
- बड़े विघनो को छोटा बनाना

→ निर्विघन

- विघन आयेंगे ही नहीं
- विघन सदा सदा के लिए विदाई ले लेंगे
- **यह अंतिम पड़ाव है**

➳ _ ➳ सदैव एकरस (Constant & Stable)

→ But Man's Company Is Unpredictable…. कभी कम... कभी ज्यादा..

➳ _ ➳ No Ups & Downs In Relations

➳ _ ➳ Most Easily Available

→ बाब भी हम बच्चों के दिल के स्नेह के बंधन में बंधा हुआ है

➳ _ ➳ Any Time Available

→ "मेरा बाबा कहते ही बाबा तुरंत हाज़िर"...

➳ _ ➳ No Deception (कोई धोखा नहीं)

→ Completely Transparent Relation

→ कभी न कभी... हर देहिक सम्बन्ध में धोखा जरूर होता ही है

➳ _ ➳ No Expectations (निस्वार्थ स्नेह)

→ Unconditional Love

➳ _ ➳ कोई बंधन नहीं

→ कोई हिसाब किताब नहीं

Avyakt Murli Reference :- Page Number 12 Of Teevra Purusharth Book

---